उद्देश्य ***-*** *इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत (स्वरवाद्य) के प्रयोगत्मक पक्ष में दक्ष बनाना है।*

प्रथम सेमेस्टर

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
5	प्रयोगात्मक **- 1**	एम0पी**0**ए0एम0आई0-5**03**	**200**	4
प्रथम खण्ड	** मंच प्रदर्शन - **20** मिनट का (निम्न रागों में से किसी एक में)*			
	इकाई **1 -** श्याम कल्याण			
	इकाई **2 –** जैजैवन्ती			
	• *मंच प्रदर्शन जिस राग में हो उसमें निम्न चीजे होना आवश्यक है–मसीतखानी गत, रजाखानी गत, आलाप, जोड़, आलाप, तोड़े व झाला।* • *मंच प्रदर्शन का समापन इच्छित धुन द्वारा।*			

प्रथम सेमेस्टर

राग - श्यामकल्याण, जैजैवन्ती, पूरिया कल्याण, भैरव, केदार *ताल - तीनताल, आड़ाचारताल, चारताल व धमार*

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0।

2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण।

3. डॉ0 लक्ष्मीनारायण गर्ग,राग विशारद(दोनों भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0।

4. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका (सभी भाग), संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0।

5. एस0एस0 परान्जपे, भारतीय संगीत का इतिहास